१. नदी की पुकार

– सुरेशचंद्र मिश्र

आसपास

जल के आसपास के क्षेत्र की स्वच्छता रखने हेतु आप क्या करते हैं, बताइए :–

कृति के लिए आवश्यक सोपान :

● शुद्ध जल की आवश्यकता पर चर्चा करें । ● जल के आसपास का क्षेत्र अस्वच्छ रहने पर वे क्या करते हैं, पूछें। ● अस्वच्छ परिसर के जल से होने वाली हानियाँ बताने के लिए कहें और समझाएँ । ● जल के आसपास का क्षेत्र स्वच्छ रखने हेतु घोषवाक्य के पोस्टर बनवाएँ और परिसर में लगवाएँ । स्वच्छता का प्रचार-प्रसार करवाएँ ।

सबको जीवन देने वाली करती सदा भलाई रे ।
कल-कल करती नदिया कहती, मुझे बचा लो भाई रे ।।

मर्यादा में बहने वाली, होकर अमृत धारा,
प्यास बुझाती हूँ उसकी, जिसने भी मुझे पुकारा,
परहित का जीवन है अपना, मत बनिए सौदाई रे ।
कल-कल करती नदिया कहती, मुझे बचा लो भाई रे ।।

गिरिवन से निकली थी, तब मन में पाला था सपना,
जो भी पथ में मिल जाए, बस उसे बना लो अपना,
मगर मलिनता लोगों ने तो, मुझमें डाल मिलाई रे ।
कल-कल करती नदिया कहती, मुझे बचा लो भाई रे ।।

नदिया के तट पर बैठो, तो हरदम गीत सुनाती,
सूखा पड़ जाए तो भी, कितनों की प्यास बुझाती,
बिना शुल्क जल दे देती है, कितनी आए महँगाई रे ।
कल-कल करती नदिया कहती, मुझे बचा लो भाई रे ।।

नदिया नहीं रहेगी तो, सागर भी मुरझाएगा,
मुझे बताओ नाला तब, किससे मिलने जाएगा,
'हो हैया-हो हैया' की धुन, न दे कभी सुनाई रे ।
कल-कल करती नदिया कहती, मुझे बचा लो भाई रे ।।

झरना बनकर मैंने, नयनों को बाँटी खुशहाली,
सरिता बन करके खेतों में, फैलाई हरियाली,
खारे सागर में मिलकर के, मैंने दिया मिठाई रे ।
कल-कल करती नदिया कहती, मुझे बचा लो भाई रे ।।

परिचय

जन्म : १८ मई १९६५ धनऊपुर, प्रतापगढ़ (उ. प्र.) **परिचय :** आप आधुनिक हिंदी कविता क्षेत्र के जाने-माने गीतकार हैं।

रचनाएँ : संकल्प, जय गणेश, वीर शिवाजी, पत्नी पूजा (काव्य संग्रह) आपकी चर्चित कृतियाँ हैं ।

पद्य संबंधी

गीत : सामान्यतया स्वर, पद और ताल से युक्त गान ही गीत है । इनमें एक मुखड़ा और कुछ अंतरे होते हैं।

प्रस्तुत गीत के माध्यम से कवि ने हमारे जीवन में नदी के योगदान को दर्शाते हुए इसे प्रदूषण मुक्त रखने के लिए प्रेरित किया है ।

श्रवणीय

'नदी सुधार परियोजना' संबंधी कार्य सुनिए और उसकी आवश्यकता अपने मित्रों को सुनाइए ।

शब्द संसार

परहित (पुं.सं.) = दूसरे की भलाई
सौदाई (वि.फा.) = पागल
गिरिवन (पुं.सं.) = पर्वतीय जंगल
मलिनता (स्त्री.सं.) = गंदगी

कल्पना पल्लवन

'नदी के मन के भाव' इस विषय पर भाषण तैयार करके प्रस्तुत कीजिए ।

संभाषणीय

'जलयुक्त शिवार' पर चर्चा करें ।

पठनीय

जल आपूर्ति संबंधी जानकारी निम्नलिखित के आधार पर पढ़िए :–

- जल स्रोत
- शुद्धीकरण प्रकल्प
- लाभान्वित क्षेत्र

87Y3Y9

पाठ के आँगन में

पाठ से आगे

पानी की समस्या समझते हुए 'होली उत्सव का बदलता रूप' पर अपना मत लिखिए ।

(१) उत्तर लिखिए :–

(क) अपने शब्दों में नदी की स्वाभाविक विशेषताएँ ...

(ख) किसी एक चरण का भावार्थ

(२) आकृति पूर्ण कीजिए :–

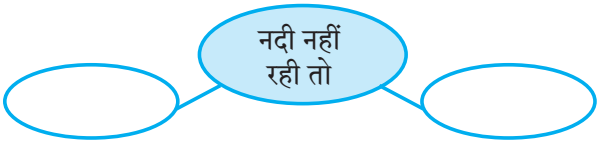

(३) संजाल पूर्ण कीजिए :–

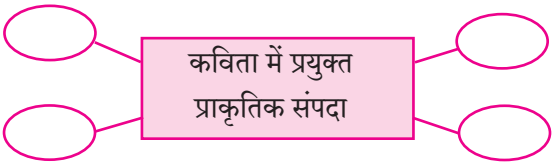

भाषा बिंदु

निम्न शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए :–

पर्यायवाची

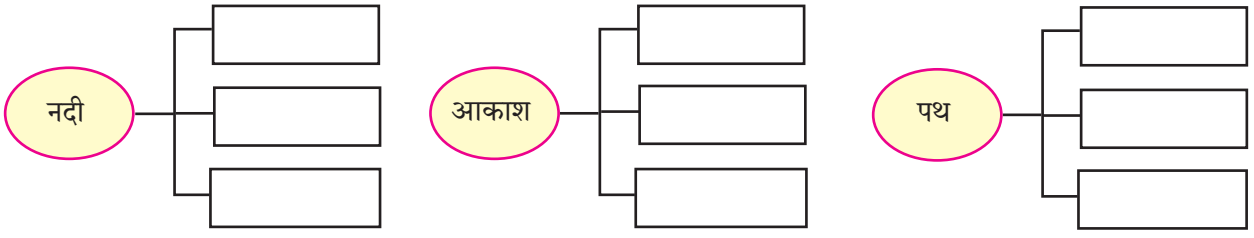

रचना बोध

.....

.....

.....